श्रव्य कार्यक्रम निर्माण

मे

स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.ए.पी.पी)

असाइनमेंट कार्य

जनवरी और जुलाई 2025 चक्र

एम.जे.एम.-001

एम.जे.एम.-002

एम.जे.एम.-003

पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

<u>पी.जी.डी.ए.पी.पी</u> **<u>असाइनमेंट कार्य</u>**

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम (एमजेएम-001, एमजेएम-002, एमजेएम-003) के लिए एक असाइनमेंट जमा करना होगा। असाइनमेंट का प्रयास करने से पहले, कृपया प्रोग्राम गाइड में दिए गए विस्तृत निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

जून या दिसंबर 2025 में अपनी सत्रांत परीक्षाओं में भाग लेने के पात्र होने के लिए आपको ये असाइनमेंट जमा करने होंगे। इन असाइनमेंट प्रश्नों का उद्देश्य, सैद्धांतिक अवधारणाओं को वास्तविक कामकाजी संदर्भ में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ जोड़ना है, जिससे आपको अपने ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

प्रत्येक असाइनमेंट के सामने जमा करने की अंतिम तिथि दी गई है। कृपया ध्यान दें कि आपको संबंधित पाठ्यक्रम में टर्म-एंड परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर **कार्यक्रम समन्वयक को ये असाइनमेंट जमा करना होगा।**
डाक द्वारा असाइनमेंट भेजें: डॉ पद्मिनी जैन, कार्यक्रम समन्वयक पी.जी.डी.ए.पी.पी, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज, इग्नू, नई दिल्ली -110068

आपको असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर अपना नामांकन नंबर, नाम, पता, असाइनमेंट कोड और अध्ययन केंद्र कोड का उल्लेख करना होगा। असाइनमेंट की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें। मूल्यांकन के बाद, आपके द्वारा प्राप्त अंक, इग्नू नई दिल्ली स्थित एस.ई.डी को भेजे जाएंगे।

<u>असाइनमेंट लिखने के लिए दिशानिर्देश</u>

प्रत्येक असाइनमेंट में दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल करें।

ये व्यावहारिक असाइनमेंट कार्य आपको अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू करने और ऑडियो प्रोग्राम उत्पादन में अपने कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इन असाइनमेंट का उद्देश्य आपको विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में विविध ऑडियो उत्पादन परिदृश्यों में रिकॉर्डिंग, मिश्रण और संपादन के अपने ज्ञान को लागू करना है।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी हो सकता है:

- **योजना:** पहले अध्ययन सामग्री को ध्यान से पढ़ें, कार्यक्रम के लिए आयोजित टेलीकांफ्रेंसिंग सत्र और इंटरैक्टिव रेडियो परामर्श सत्र में भाग लें; यदि आवश्यक हो तो आप अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र से विवरण प्राप्त कर सकते हैं। और फिर असाइनमेंट को ध्यान से पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

- **आयोजन:** अपने उत्तर की एक विस्तृत रूपरेखा बनाएं। अपने उत्तर के लिए जानकारी के चयन में विश्लेषणात्मक रहें। प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। वाक्यों और पैराग्राफों में जानकारी का उचित प्रवाह है; और तार्किक एवं सुसंगत है; सुनिश्चित करें कि उत्तर आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही ढंग से लिखा गया है।
- **प्रस्तुतीकरण:** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएं, तो आप प्रत्येक उत्तर को साफ-सुथरे तरीके से लिखकर, प्रस्तुत करने के लिए अंतिम संस्करण लिख सकते हैं।

शुभकामना सहित,

डॉ. पद्मिनी जैन
कार्यक्रम समन्वयक
ईमेल: padminijain@ignou.ac.in

पी.जी.डी.ए.पी.पी **एम.जे.एम. -001** **प्रसारण और कार्यक्रम आयोजन**

कोर्स कोड:	एमजेएम-001
देय तिथि:	31 मार्च, 2025 - जनवरी चक्र और सितंबर 30, 2025 - जुलाई चक्र
असाइनमेंट कोड:	एमजेएम-001/जनवरी/जुलाई 2025
कुल अंक:	100
मुल्य:	अंतिम परिणाम में 30% मुल्य

नोट:

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न समान अंक का है। (प्रत्येक 20) ।

प्रत्येक उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखें।

अपने उत्तरों में अपने आसपास के वास्तविक जीवन के उदाहरणों को शामिल करने का प्रयास करें।

प्रश्न:

1. भारत में प्रसारण का विकास

औपनिवेशिक युग से आज तक भारत में रेडियो प्रसारण के विकास का पता लगाएं। आकाशवाणी और निजी एफएम चैनलों के शुभारंभ जैसे प्रमुख मील के पत्थर पर प्रकाश डालें।

2. सामुदायिक रेडियो के मॉडल

भारत में सामुदायिक रेडियो के विभिन्न मॉडलों की तुलना और अंतर करें। स्थानीय आवाज़ों और संस्कृतियों को बढ़ावा देने में उनकी ताकत, कमजोरियों और भूमिका पर चर्चा करें।

3. रेडियो कार्यक्रम की योजना बनाना

पर्यावरण संरक्षण के विषय पर 30 मिनट के रेडियो कार्यक्रम की योजना बनाएं। स्वरूप, लक्षित दर्शक, मुख्य संदेश और संसाधन आवश्यकताओं सहित एक विस्तृत रूपरेखा प्रदान करें।

4. प्रसारण में रुझान

भारत में पॉडकास्ट के उदय का अध्ययन करें। पारंपरिक रेडियो की तुलना में उनकी बढ़ती लोकप्रियता का विश्लेषण करें और चर्चा करें कि यह प्रवृत्ति दर्शकों की प्राथमिकताओं के बारे में क्या इंगित करती है।

5. जनसंचार के माध्यम के रूप में रेडियो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आकाशवाणी के "मन की बात" ने जनता की राय को कैसे प्रभावित किया है और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता पैदा की है। जन संचार उपकरण के रूप में इसके प्रभाव और सीमाओं का गंभीर विश्लेषण करें।